**ओ३म्**

**-आर्यसमाज द्वारा उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से शिष्टाचार भेंट एवं उनका अभिनन्दन-**

**‘रिस्पना पुल का नाम महर्षि दयानन्द सेतु करने की घोषणा, अन्य मांगों पर भी सहानुभूति एवं समर्थन जताया’**

**-मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून।**

आज 30-10-2017 को उत्तराखण्ड आर्य प्रतिनिधि सभा का एक 40 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली के यशस्वी प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में प्रदेश की राजधानी देहरादून स्थित सचिवालय में मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत जी से मिला और उनका स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। मुख्यमंत्री जी को आर्यसमाज की ओर से एक ज्ञापन वा मांगपत्र भी प्रस्तुत किया गया। प्रतिनिधि मण्डल में आर्य प्रतिनिधि सभा, उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश के प्रधान श्री गोविन्द सिंह भण्डारी एवं डा. डा. धीरज सिंह भी सम्मिलित थे। प्रतिनिधि मण्डल में प्रदेश के अनेक स्थानों से आर्यसमाज के अधिकारी एवं प्रतिनिधि भी सम्मिलित हुए। सभा की कार्यवाही का संचालन श्री गोविन्द सिंह भण्डारी जी ने किया। मुख्यमंत्री जी से मिलने पहुंचे प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों को मुख्यमंत्री जी सहित स्वामी आर्यवेश जी, विधायक स्वामी यतीश्वरानन्द सरस्वती, श्री गोविन्द सिंह भण्डारी, डा. धीरजसिंह एवं श्री प्रेमप्रकाश शर्मा सहित अन्य आर्य नेताओं ने सम्बोधित किया।

 मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्रसिंह रावत जी का स्वागत एवं अभिनन्दन आर्यसमाज के सभी नेताओं एवं प्रतिनिधियों ने उन्हें ओ३म् का पट्टा व शाल ओढ़ाकर, ऋषि दयानन्द का चित्र भेंट कर व सत्यार्थप्रकाश सहित आर्यसमाज का साहित्य भेंट कर किया। ऐसा करते हुए स्वस्तिवाचन के मंत्रों का तीव्र स्वर से पाठ भी किया गया। इससे पूर्व श्री गोविन्द सिंह भण्डारी जी ने श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत जी से अपने पुराने संबंधों की चर्चा करने के साथ उनके सरल जीवन व गुणों का उल्लेख किया। उन्होंने आर्यसमाज की कुछ मांगों का भी संक्षेप में उल्लेख किया व मांग पत्र पढ़कर उसे बाद में उन्हें सौंप दिया। मुख्य मांग यह थी सन् 1879 में ऋषि दयानन्द हरिद्वार के कुम्भ मेले से देहरादून पहुंचे थे। देहरादून के वर्तमान विधान सभा चौक वा रिस्पना सेतु पर देहरादून के आर्यों ने सम्मानपूर्वक उनकी अगवानी की थी। आर्यसमाज ने मांग की कि इस स्थान का नाम महर्षि दयानन्द चौक कर दिया जाये। दूसरी मांग थी कि उत्तराखण्ड के नैनीताल जिले के भवाली आर्यसमाज की 90 वर्ष की लीज 31-3-2016 को समाप्त हो गई है। इसको फ्री होल्ड कराने में समस्यायें आ रही थी। इसके लिए आर्यसमाज ने मुख्यमंत्री जी को शुल्क में छूट देने व उसे न्यूनतम शुल्क पर आर्यसमाज को स्थाई रूप से देने की मांग की थी। मुख्यमंत्री जी से तीसरी मांग प्रदेश में पूर्ण नशाबन्दी लागू करने की थी जिससे युवा व अन्य लोगों का जीवन स्वस्थ व सुखी बनाया जा सके और परिवार पर होने वाले दुष्प्रभावों को रोका जा सके। मुख्यमंत्री जी ने अपने सम्बोधन में आर्यसमाज के प्रतिनिधि मण्डल का उनका अभिनन्दन किये जाने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने आर्यसमाज की प्रथम मांग का उल्लेख कर कहा कि जहां ऋषि दयानन्द आये थे वह चौक विधानसभा चौक के नाम से प्रसिद्ध है। यदि वह इसका नाम बदल भी देंगे तब भी, पुराने अनुभव के अनुसार, लोग इसे पुराने नाम से ही पुकारेंगे। उन्होंने स्वयं सुझाव दिया कि इस चौक से जुड़ा हुआ ही रिस्पना नदी का जो विशाल सेतु है उसका नाम वह **‘महर्षि दयानन्द सेतु’** करा देंगे और शीघ्र ही इससे सम्बन्धित आदेश जारी हो जायेंगे। भवाली आर्यसमाज की समस्याओं के प्रति भी उन्होंने पूर्ण सहानुभूति प्रदर्शित की और पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। आर्यसमाज के अतीत के कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की और कहा कि देश को स्वतन्त्रता दिलाने में आर्यसमाज की प्रमुख भूमिका व योगदान है। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द ने कहा था कि वेद भारत के लिए हैं और भारत वेद के लिए है। उन्होंने कहा कि **‘भारत भारतीयों के लिए’** शब्दों का भी उद्घोष भी सबसे पहले उन्होंने ही किया था। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आर्यसमाज की स्थापना के बहुत बाद कांग्रेस की स्थापना हुई थी परन्तु आरम्भ के वर्षों में उन्होंने देश की आजादी की बात नहीं की थी। वह तो आरम्भ में अंग्रेजों के सहयोगी रहे। उन्होंने कहा कि आर्यसमाज से संबंधित पुस्तकें उन्होंने पढ़ी हैं और उन्हें इन तथ्यों का ज्ञान है। उनके शब्द यह भी थे कि **‘महर्षि दयानन्द ने सबसे पहले आजादी का बिगुल बजाया था।’** मुख्य मंत्री जी ने कहा कि भवाली आर्यसमाज की लीज बढ़ाने में कोई दिक्कत नहीं है। उसे कर दिया जायेगा। नशाबन्दी की आर्यसमाज की मांग की चर्चा कर उन्होंने कहा कि विवाहों के अवसरों पर शराब का सेवन किया जाता है इसलिये वह किसी विवाह में नहीं जाते और मुख्यमंत्री बनने के बाद नहीं गये हैं। उन्होंने कहा कि हरयाणा राज्य में शराब बन्दी की गई थी तो वहां कि महिलाओं ने ही शराब बन्दी के विरोध में प्रदर्शन कर कहा था कि पहले तो उनके घरवाले रात्रि को घर पर आ भी जाते थे परन्तु अब वह नहीं आते। उन्होंने बिहार राज्य में जहरीली शराब से हुई मौतों पर भी दुःख जताया। उन्होंने आर्यसमाज से कहा कि वह शराब के विरोध मे ंप्रचार करें और लोगों में जागृति उत्पन्न करें जिससे लोग शराब न पीयें। मुख्यमंत्री जी ने आर्यसमाज के कार्यों की प्रशंसा की और प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों से मिलने पर भी अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

 सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने अपने अभिनन्दन एवं स्वागत भाषण में कहा मुख्यमंत्री जी का सहृदयतापूर्वक आर्यसमाज का आमंत्रण स्वीकार करने के लिए धन्यवाद है। उन्होंने कहा कि विगत दिनों उत्तराखण्ड के रूद्रपुर में आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड की बैठक में भवाली आर्यसमाज की लीज की समस्या पर विचार किया गया था। वहां यह निर्णय किया गया था कि मुख्यमंत्री जी से भेंट कर इसका निदान करने के लिए निवेदन करेंगे। विधान सभा चौक का नाम महर्षि दयानन्द चौक करने के संबंध में स्वामी जी ने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि महर्षि दयानन्द जी का सन् 1857 की प्रथम क्रान्ति व स्वतन्त्रता संग्राम में भी सक्रिय योगदान था और वह इस क्रान्ति के प्रायः सभी सूत्रधारों से मिले थे व उन्हें इसकी प्रेरणा की थी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा विधान सभा चौक का नाम उनके नाम पर करने से यह उनके प्रति श्रद्धांजलि होगी। स्वामी जी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भी स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने कुछ दिन पूर्व युवा पीढ़ी को नशे से बचाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि शराब बन्दी किये बिना देश उन्नति नहीं कर सकता। स्वामीजी ने कहा कि पहाड़ के लोग भी नशे से होने वाली हानियों के शिकार हैं। परिवार में एक व्यक्ति द्वारा नशा करने से पूरा परिवार पीड़ित होता है व दुःखी रहता है। उन्होंने पुरानी सरकार के समय में यूएनओ की एक टिप्पणी की भी चर्चा की और कहा कि शराब की खुली बिक्री के चलते देश का विकास नहीं हो सकता। अपने वक्तव्य को विराम देते हुए स्वामी आर्यवेश जी ने मुख्यमंत्री जी को यशस्वी होने का आशीर्वाद दिया और कहा कि उनके शासनकाल में देवभूमि उन्नति को प्राप्त हो और सारा देश इस देवभूमि को नमन करे। स्वामी जी के वक्तव्य के अन्त के शब्द थे कि सार्वदेशिक सभा की ओर से माननीय मुख्य मंत्री जी का अभिनन्दन एवं धन्यवाद।

 ऋषि भक्त और विधायक स्वामी यतीश्वरानन्द ने अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री जी को आर्यसमाज का विस्तृत परिचय दिया। उन्होंने कहा कि देश के सभी सुधीजन आर्यसमाज की धर्म, देश और समाज के हितकारी कार्यों से परिचित हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की आर्यसमाज की सभी मांगों को मुख्यमंत्री जी स्वीकार कर लेंगे। नशे की चर्चा कर उन्होंने प्रतिनिधि मण्डल के सभी सदस्यों को बताया कि मुख्यमंत्री जी नशे के जबरदस्त खिलाफ हैं। श्री पुष्कर जी ने कहा कि देश व समाज के हितकारी कार्यों में आर्यसमाज की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान को आर्यसमाज का ही कार्यक्रम बताया और प्रधानमंत्री जी की प्रशंसा की। उन्होंने भी आशा व्यक्त की कि मंख्यमंत्री आर्यसमाज की सभी मांगों को स्वीकार कर लेंगे। मुख्यमंत्री जी से शिष्टाचार भेंट में डा. वेदप्रकाश गुप्ता, श्री प्रेम प्रकाश शर्मा एवं डा. धीरजसिंह जी आदि ने भी संक्षिप्त विचार व्यक्त किये।

 लगभग एक घंटा चली बैठक में प्रदेश के अनेक स्थानों से 40 से अधिक प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री जी की ओर से सबको जलपान कराया गया। बैठक में अन्य उपस्थित महत्वपूर्ण लोगों में डा. धनंजय आर्य गुरुकुल पौंधा, आचार्य भूषण जी, श्री सुमन्तसिंह आर्य, श्री हाकिमसिंह जी, पुरोहित रणजीतसिंह जी, श्रही वीरेन्द्र पंवार, श्री ज्ञानचन्द गुप्ता व उनके सहयोगी, सभा मंत्री श्री दिनेश कुमार, श्री मानवीर सिंह, डा. वेदप्रकाश गुप्ता जी और अनेक महिला सदस्य आदि उपस्थित रहे। सभी बहुत सुखद वातावरण में सम्पन्न हुई। हमें भी इस कार्यक्रम का साक्षी होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। ओ३म् शम्।

**-मनमोहन कुमार आर्य**

**पताः 196 चुक्खूवाला-2**

**देहरादून-248001**

**फोनः09412985121**